नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट शुरू करने वाली दिल्ली की पहली डिस्कॉम बनी बीएसईएस

पूर्वी व दक्षिणी दिल्ली में छह प्रोजेक्ट्स शुरू

उपभोक्ता के व्यक्तिगत इस्तेमाल के बाद बची बिजली बीएसईएस को मिलेगी

इसके बदले, डीईआरसी से अप्रूव्ड दरों पर उपभोक्ताओं को भुगतान किया जाएगा

अब तक 50 उपभोक्ताओं ने नेट मीटरिंग के लिए आवेदन किया है

नेट मीटरिंग के लिए बीएसईएस ने एक सेंट्रलाइज्ड टीम का गठन किया

नई दिल्लीः 4 मई, 2015। उपभोक्ताओं की छतों पर लगे सोलर पैनलों को सीधे ग्रिड से जोड़ने में बीएसईएस को कामयाबी मिली है। अब सोलर पैलनों से मिलने वाली बिजली, ग्रिड के माध्यम से आम लोगों को सप्लाई की जा सकेगी। फिलहाल, दक्षिणी और पूर्वी दिल्ली में, छह उपभोक्ताओं के यहां इस सोलर/ सौर प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई है, जिससे करीब 6600 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। उपभोक्ता के व्यक्तिगत इस्तेमाल के बाद बची हुई बिजली सीधे बीएसईएस के ग्रिडों में जाएगी, और उसे अन्य उपभोक्ताओं को सप्लाई किया जाएगा। उपभोक्ता के सोलर पैलनों से जितनी बिजली बीएसईएस के ग्रिडों में आएगी, उसके लिए उसे बीएसईएस, डीईआरसी द्वारा अप्रूव्ड दरों पर भुगतान करेगी।

इसके साथ ही, बीएसईएस, नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट को विद्युतीकृत करने वाली दिल्ली की पहली डिस्कॉम बन गई है। यह, दरअसल, डीईआरसी के रूफ टॉप सोलर नेट मीटरिंग पॉलिसी का हिस्सा है। अक्षय उर्जा को बढ़ावा देने के लिए डीईआरसी ने हाल ही में यह पॉलिसी जारी की थी। उसके बाद से, बीएसईएस डिस्कॉम्स लगातार सौर उर्जा को बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं के बीच प्रचारित कर रही हैं, और उन्हें इसके फायदों के बारे में जागरूक कर रही है। इन प्रयासों के परिणाम अब दिखने शुरू हुए हैं।

बीवाईपीएल ने पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार स्थित ईस्ट पॉइंट स्कूल की छत पर पहले नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट की शुरूआत की है। यहां 20 किलोवॉट की रूफ टॉप सोलर नेट मीटरिंग व्यवस्था को बीवाईपीएल ने विद्युतीकृत किया है। फिलहाल, इस स्कूल के पास सामान्य यानी ग्रिड की बिजली का 55 किलोवॉट का कनेक्शन है। अब वहां, स्कूल की छत पर 20 किलोवॉट के सौर उर्जा के पैनल/प्लांट लगाए गए हैं। इसमें क्रिस्टलाइन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। सौर उर्जा के इस प्लांट में प्रतिमाह 2400–3000 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा, जिससे उपभोक्ता को 25,000 रूपये प्रति माह की बचत होगी।

बीआरपीएल ने दक्षिण दिल्ली में पांच रूफ टॉप नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट लगाए हैं। इनमें से चार कैलाश कॉलोनी, पुष्पांजलि, जीके 3 और पुष्प विहार में हैं। ये चारों डोमेस्टिक उपभोक्ताओं के प्रोजेक्ट हैं। एक प्रोजेक्ट व्यावसायिक उपभोक्ता के यहां भी लगाया गया है, जो पुष्प विहार में ही है। इन उपभोक्ता के पास फिलहाल, कुल मिलाकर 287 किलोवॉट के सामान्य, यानी ग्रिड की बिजली का कनेक्शन है। अब इन उपभोक्ताओं के घर/ऑफिस की छतों पर बीआरपीएल ने 66 किलोवॉट के रूफ टॉप सोलर नेट मीटरिंग व्यवस्था को विद्युतीकृत किया है। इससे इन उपभोक्ताओं को प्रति माह, 360 यूनिट से 3600 यूनिट के बीच अतिरिक्त बिजली मिलेगी, जिससे उन्हें प्रति माह 3000 रूपये से 32,000 रूपये की बचत होगी।

बीएसईएस के 500 से अधिक उपभोक्ताओं ने नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बीएसईएस को अब तक 50 उपभोक्ताओं ने नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट के लिए आवेदन दिया है। इनमें कुल 2400 किलोवॉट लोड के सौर उर्जा पैनलों/ प्लांटों को विद्युतीकृत करने के आवेदन मिले हैं। इन आवेदनों पर विभिन्न चरणों में काम चल रहा है।

उपभोक्ताओं के आवेदनों पर गौर करते हुए बीएसईएस ने एक केंद्रीकृत यानी सेट्रलाइज्ड टीम का गठन किया है, जो इन प्रजेक्ट्स में मीटर आदि के सही इंस्टलेशंस को सुनिश्चित करेगी। टीम के सदस्यों को इस सिलसिले में विस्तृत प्रशिक्षण भी दिया गया है।